नाला निर्माण के 48 करोड़ रु. के टैंडर को लेकर जयपुर विकास प्राधिकरण के दो इंजीनियर्स में भारी टकराव

200 फीट बाईपास से मूंडियारामसर तक नाला निर्माण के इस प्रोजेक्ट में करीब 35 करोड़ की लागत से 9 किलोमीटर दूरी में जोन-12 द्वारा कार्य कराया जाना है, जबकि 13 करोड़ की लागत से 4 कि.मी. क्षेत्र में जोन-7 करवायेगा काम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण में 48 करोड़ रु. की लागत से नाला निर्माण प्रोजेक्ट को लेकर दो अधिशाषी अभिंताओं (एक्सईएन) के बीच भारी टकराव हो रहा है। इसके लिए बाकायदा डायरेक्टर इंजीनियरिंग को पत्र भी लिखा गया है।

दरअसल बरसात के दौरान 200 फीट अजमेर रोड बाइपास पर भारी जलभराव होता है, इस समस्या को दूर करने के लिए जे.डी.ए. द्वारा 48 करोड़ की लागत से नाला निर्माण कराया जाना है। इसमें से करीब 35 करोड़ रु. लागत से करीब 9 किलोमीटर दूरी में जोन-12 द्वारा काम करवाया जाना है, जबकि शेष 13 करोड़ की लागत से जोन-7 द्वारा 4 किलोमीटर दूरी में कार्य कराया जायेगा।

सूत्रों की मानें तो जोन-7 के अधिशाषी अभियंता तरूण सिंघल 48 करोड़ रु. के इस पूरे प्रोजेक्ट पर खुद काम करना चाहते हैं, जबकि उनके द्वारा अजमेर रोड पर पुलिस कमिश्नरेट के सामने बनाई गई डामर रोड और सोडाला में मैस्टिक डामर के सैंपल महज 1 सप्ताह में ही फेल हो गए थे। इसके बावजूद जे.डी.ए. के उच्चाधिकारियों ने इस प्रोजेक्ट का नोडल ऑफिसर जोन-7 को बना रखा है। जबकि इस प्रोजेक्ट का 74 प्रतिशत कार्य जोन-12 द्वारा कराया जाना है और शेष 26 प्रतिशत काम ही जोन-7 में होगा।

सूत्रों की मानें तो बरसात के दौरान अजमेर रोड 200 फीट बाईपास पर पानी भरता है, जिससे लोगों का निकलना दूभर हो जाता है। खासकर यहां से गुजरने वाले अंडरपास तो पानी से भर जाते है, जिससे लोग निकल नहीं पाते। आमजन की इस समस्या को देखते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह ने जे.डी.ए. में 48 करोड़ रुपए में नाला निर्माण करने के लिए मंजूरी दिलाई थी।

इस प्रोजेक्ट में 200 फीट बाईपास से मुंडियारामसर तक नाला निर्माण कार्य दो फेज में होना है। इसके लिए जेडीए ने जोन-7 को ही नोडल अधिकारी बना दिया, हालांकि जोन-7 में सिर्फ 13 करोड़ का ही काम होना है। बाकी 35 करोड़ रुपए का काम दूसरे फेज में जोन 12 के इलाके में होना है।

मजेदार बात यह है कि जोन-7 के एक्सईएन तरूण सिंघल द्वारा बनाई गई अजमेर रोड सड़क के सैंपल दीपावली पर ही फेल हो चुके हैं। इसके बावजूद जेडीए कमिश्नर आनंदी और अभियांत्रिकी निदेशक अजय गर्ग ने उन पर कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जेडीए प्रशासन घटिया सड़क निर्माण उजागर होने के बाद भी अधिशाषी अभियंता को क्यों बचा रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो इस प्रोजेक्ट को लेकर जोन-12 के अधिशाषी अभियंता मनोज कुमार दुबे ने डायरेक्टर इंजीनियरिंग को पत्र लिखकर यह प्रोजेक्ट जोन-7 को देने का विरोध जताया है। उनका कहना है कि, नाला कैसे बनना है किस तरफ से जाएगा, इसका लेवल कितना रखा जाएगा, कहां नीचा और दिशा किस तरफ रखनी है इसकी सारी जानकारी जोन-12 को ही है। खासतौर पर लेवल गड़बड़ हो गया तो पानी आगे जाने की बजाय वापस पीछे की तरफ आएगा और जे.डी.ए. के करोड़ों रुपये बर्बाद हो जाएंगे। ऐसे में सारी जिम्मेदारी जोन-12 के अधीक्षण अभियंता, अधिशाषी अभियंता, सहायक व कनिष्ठ अभियंता के माथे पर रहेगी। यहां तक कि स्थानीय जनता भी जोन-12 के इंजीनियर्स को ही पकड़ेगी। ऐसे में अपने जोन-12 में काम कराने की जिम्मेदारी भी हमें ही मिलनी चाहिए।

जोन-12 के एक्सईएन मनोज दुबे ने नाला निर्माण का काम अपनी देखरेख में करवाने के लिए कहा है, ताकि काम में कोई कमी नहीं रह जाए। इसका कारण यह है कि जोन-7 के कामों के सेम्पल फेल होने और क्वालिटी खराब होने के कारण अब जोन-12 के इंजीनियर्स कोई भी रिस्क लेने को तैयार नहीं है। उनका कहना है कि किसी तरह काम में कोई कमी रह गई तो जनता तो उन्हें ही पकड़ेगी।

वहीं दूसरी ओर जोन 7 के एक्सईएन तरूण सिंघल ने भी निदेशक इंजीनियरिंग को पत्र लिख कर ड्रेनेज निकासी का काम अपनी देखरेख में कराने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने अजीब सी दलील दी है कि, दूसरे जोन के इंजीनियर्स को लेवल का पता ही नहीं है, फिर काम कैसे होगा।

- हैरानी की बात है कि इस 48 करोड़ के प्रोजेक्ट में जोन-7 का क्षेत्र कम होने के बावजूद अधिशाषी अभियंता तरूण सिंघल विशेष रुचि दिखा रहे हैं, जबकि उनके द्वारा पिछले दिनों अजमेर रोड और सोडाला में बनाई गई सड़क के सैंपल तक फेल हो चुके हैं।
- उधर जोन-12 के अधिशाषी अभियंता मनोज कुमार दुबे ने भी डायरेक्टर इंजीनियरिंग को पत्र लिखकर साफ कहा है कि, नाला कैसे और किस तरफ जायेगा, कहां नीचा और दिशा किस तरफ रखनी है इसकी सारी जानकारी जोन 12 को ही है। अगर प्रोजेक्ट में गड़बड़ी होगी तो उसकी जिम्मेदारी भी जोन-12 के इंजीनियर्स की होगी, फिर जोन-7 को यह पूरा प्रोजेक्ट क्यों सौंपा जाये।
- सवाल यह उठता है कि जब 48 करोड़ के इस प्रोजेक्ट का 74 प्रतिशत लागत कार्य जोन-12 द्वारा किया जाना है तो फिर जे.डी.ए. के उच्चाधिकारी आखिर क्यों जोन-7 के अधिशाषी अभियंता को नोडल ऑफिसर बनाने पर तुले हुए हैं?
- दीपावली से पूर्व जोन-7 द्वारा पुलिस कमिश्नरेट के सामने बनाई गई सड़क के सैंपल फेल होने के बावजूद आज तक दोषी फर्म और इंजीनियर्स पर कार्रवाई नहीं किये जाने के कारण भी जे.डी.ए. प्रशासन की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े कर रहा है।

सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़े दो युवक

पानी की टंकी पर चढ़े दो बेरोजगारों को सुरक्षित उतारने की कवायद में जुटे आपदा प्रबंधन के कर्मचारी।

जयपुर। सब इंस्पेक्टर भर्ती रद्द करने की मांग को लेकर रविवार को दो बेरोजगार युवा पानी की टंकी पर चढ़ गए। बेरोजगारों ने मंत्री केके बिश्नोई और आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल पर इस भर्ती को रद्द न करने के लिए मुख्यमंत्री पर दबाव बनाने का आरोप लगाया है। साथ ही जब तक उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से नहीं होती, तब तक पानी की टंकी से नहीं उतरने और दबाव बनाने पर जान जोखिम में डालने की चेतावनी दी है।

प्रदेश में पेपर लिखकर खुलासा होने के बावजूद भी सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को रद्द नहीं करने से आहत दो युवा बेरोजगार विकास बिधूड़ी और लादूराम गोदारा रविवार को पानी की टंकी पर चढ़ गए। जयपुर के ओटीएस चौराहे के पास हिम्मतनगर स्थित पानी की टंकी पर चढ़े युवा बेरोजगारों से करीब 8 घंटे बाद भी कोई भी प्रशासनिक अधिकारी वार्ता के लिए नहीं पहुंचा। एसआई भर्ती रद्द करने की मांग कर रहे विकास बिधूड़ी ने बताया कि सब इंस्पेक्टर भर्ती रद्द करने की मांग को लेकर सरकार लीपापोती कर रही है। उसी के विरोध में और भर्ती परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर वो पानी की टंकी पर चढ़े हैं। बावजूद इसके सरकार और प्रशासन सोया हुआ है। कोई भी उन्हें मुख्यमंत्री से मिलाना नहीं चाहता।

उन्होंने मंत्री केके विश्नोई और आईएएस शिखर अग्रवाल पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि वो नहीं चाहते कि भर्ती परीक्षा रद्द हो क्योंकि उनके कई चाहने वाले इस भर्ती में लगे हैं। मुख्यमंत्री भी उन्हीं के दबाव में हैं। जबकि बीजेपी को वोट इसीलिए दिया था ताकि वो भर्ती परीक्षा को रद्द करे। कई एजेंसियां भी भर्ती परीक्षा को रद्द करने के पक्ष में है लेकिन सरकार अभी भी हाथ पर हाथ धरे बैठी है। सरकार एक मंत्री और एक अधिकारी के दबाव में झुकी हुई है।

उन्होंने कहा कि जब तक उनकी सुनवाई नहीं होती, वे इसी तरह टंकी पर चढ़े रहेंगे। उन पर किसी भी तरह का दबाव बनाने की कोशिश की, तो उनकी जान की जोखिम की जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी। वहीं पानी की टंकी पर चढ़े लादूराम ने कहा कि प्रशासन उन्हें बहलाने फुसलाने की कोशिश कर रहा है लेकिन उनका निवेदन सिर्फ इतना सा है कि उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से कराई जाए या फिर मुख्यमंत्री इस भर्ती परीक्षा को रद्द करने को लेकर एक डेट जारी करें।

गलताजी में सात दिवसीय ब्रह्मोत्सव में दूसरे दिन हुआ ध्वाजारोहण, मूलमंत्र हवन और अष्टोत्तरशत अर्चन

जयपुर। उत्तर भारत की प्रमुख श्री वैष्णव पीठ उत्तर तोदाद्रि मठ श्री गलताजी में मनाए जा रहे ब्रह्मोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न दिव्य आयोजन हुए। श्री वैष्णव मण्डल के अध्यक्ष डॉ. लीला पुरुषोत्तम ने बताया कि प्रातः शांति पाठ, द्वारा तोरण पूजन किया गया। इसके पश्चात चतुःस्थान अर्चन, मूलमंत्र व मूर्तिमंत्र हवन किया गया। इसके पश्चात पंचसूक्त से हवन की पूर्णाहुति की गई। इसके पश्चात ध्वाजारोहण किया गया।

मध्याह्न पश्चात भगवान श्रीनिवास के साथ श्री देवी व भूदेवी के साथ दिव्य तिरूमंजन किया गया। तिरूमंजन सर्व औषधि, पंचामृत, मेवे, फलों, फलों के रस, हरिद्रा, कुमकुम, शंख-चक्र, सहस्त्रधारा आदि के साथ किया गया। तत्पश्चात भगवान नारायण एवं महालक्ष्मी जी का अष्टोत्तरशत से पुष्प अर्चन किया गया । इसके पश्चात अष्टिदकपाल बलिहरण किया गया। इसके पश्चात तीर्थ प्रसाद गोष्ठी आदि का वितरण किया गया।

उत्तर भारत की प्रमुख श्री वैष्णव पीठ उत्तर तोदाद्रि मठ श्री गलताजी में ब्रह्मोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न दिव्य आयोजन हुए। प्रातः शांति पाठ, द्वारा तोरण पूजन, चतुःस्थान अर्चन, मूलमंत्र व मूर्तिमंत्र हवन किया गया। इसके बाद पंचसूक्त से हवन की पूर्णाहुति की गई।

दक्षिण भारत से विद्वान पधारेंगे व वैदिक विधी से पूजा-पाठ, हवन, अनुष्ठान आदि सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त दक्षिण भारतीय पाक-शास्त्री भगवान् को लगने वाले गोष्ठी व अन्य भोग प्रसादी आदि बनायेंगे। दक्षिण भारत से ही भगवान् की माला आदि नित्य मंगाए जायेंगे। दक्षिण भारतीय वाद्यम से सम्पूर्ण श्री गलता तीर्थ गुंजायमान रहेगा। भगवान् को दक्षिण भारत में विशेष रूप से तैयार किये गये आभूषण, वस्त्र आदि धारण कराये जायेंगे एवं दक्षिण भारतीय पात्रों से भगवान् की पूजन, अभिषेक आदि किये जायेंगे। रत्न जडित मुथांगी भगवान् को धारण करायी जायेगी ।

लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन

इस भव्य महोत्सव में नगर, प्रदेश व देश के अनेकों विशिष्ट जनों के साथ-साथ देशभर से श्रद्धालुजन दर्शनार्थ पधारेंगे एवं भगवान् की विशेष कृपा के पात्र बनेंगे। अनेकों विभिन्न उत्सव व आयोजित किये जायेंगे ।

7 दिवसीय महोत्सव में नित्य के भोग, तिरूमंजन, हवन, गोष्ठी आदि के लिए सैकड़ों किलो फल, सब्जियां, दूध, दही, घी, अन्न, मेवे, तिल, फूल, माला, पुष्प आदि उपयोग में लिए जाएंगे।

खुशी व्यास के सिर सजा मिस इटर्नल इंडिया 2024 का ताज

जयपुर। रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते रैंप पर हाइवोल्टेज म्यूजिक की धुनों के बीच अपना टैलेंट दर्शाती 30 मॉडल्स में से सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देकर उड़ीसा की खुशी व्यास ने मिस इटर्नल इंडिया 2024 का खिताब अपने नाम कर लिया। अजमेर रोड़ स्थित द राजबाग रिसॉर्ट में नवीन कुमावत और दीपिका नरूका की अगुवाई में हुए नेशनल लेवल ब्यूटी पेजेंट मिस इटर्नल इंडिया 2024 का ग्रांड फिनाले संपन्न हुआ, जिसमें ज्यूरी मेंबर्स ने साक्षी परमार को फर्स्ट रनर अप, मरीन राणा को सैकंड रनर अप घोषित किया।

जे.के.के. में पंजाबी सूफी नाइट 14 को

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से 14 नवंबर को पंजाबी सूफी नाइट का आयोजन किया जा रहा है। मध्यवर्ती में शाम 6:30 बजे से होने वाले कार्यक्रम में पंजाबी गीत व सूफी नगमे गूंजेंगे। इसमें प्रसिद्ध गायक जीती जगजीत अपनी सुरीली आवाज के साथ फिजा में मधुरता घोलेंगे।

गौरतलब है कि जीती जगजीत हिंदी, पंजाबी, हरियाणवी, बॉलीवुड सॉन्स, गजल और सूफी संगीत की महफिल का मशहूर नाम है। उन्हें जयपुर रत्न और 20219 में यूथ आइकन अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। जगजीत ने गीत अथरू, पहली वारी और वालियां से श्रोताओं के दिलों में जगह बनाई है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुर में तुलसी पीठ के संस्थापक और सनातन संस्कृति के ध्वजवाहक, परम पूज्य जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

3127 मतदाताओं ने की होम वोटिंग

जयपुर। राजस्थान में उपचुनाव के लिए 7 विधानसभा क्षेत्रों में 85 वर्ष से अधिक आयु के और 40 फीसदी से अधिक दिव्यांगता वाले 3,193 मतदाताओं को होम वोटिंग के लिए निर्धारित प्रारूप 12डी में आवेदन किया था। इनमें से 3,127 मतदाताओं ने अपने मताधिकार उपयोग किया है। इस दौरान 37 मतदाताओं की मृत्यु हो गई और 29 मतदाता निर्धारित समय पर घर पर अनुपस्थित मिले। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि होम वोटिंग के लिए 4 नवम्बर से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई थी। यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी हुई है। पहले चरण में मतदान नहीं कर सकने वाले मतदाताओं के लिए मतदान दल दूसरे चरण में उनके घरों पर निर्धारित समय पर वोटिंग के लिए गए। महाजन के अनुसार, होम वोटिंग के लिए आवेदन करने वाले 2,365 वरिष्ठजनों में से 2,306 ने मतदान किया है। इस दौरान 35 बुजुर्गों की मृत्यु हो गई और 24 मतदाता निर्धारित समय पर घर पर नहीं मिले। इसी प्रकार, घर से मतदान का विकल्प चुनने वाले कुल 828 दिव्यांगों में से 821 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। इस दौरान 2 मतदाताओं की मृत्यु हो गई और 5 दिव्यांग निर्धारित समय पर घर पर नहीं मिले।

महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन पर संवेदनाएं जताईं

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व सांसद और मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। राठौड़ ने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। महेंद्र सिंह मेवाड़ का निधन प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। वहीं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौडगढ़ सांसद सीपी जोशी ने भी पूर्व सांसद एवं महाराणा प्रताप के वंशज महाराणा महेंद्र सिंह मेवाड़ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

साहित्यकार डॉ. प्रभात कुमार सिंघल जबलपुर में सम्मानित

जयपुर। कोटा के जाने माने लेखक और वरिष्ठ पत्रकार डॉ.प्रभात कुमार सिंघल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रियाशील संस्था कादंबरी द्वारा जबलपुर में आयोजित अखिल भारतीय साहित्यकार एवं पत्रकार अलंकार सम्मान समारोह में पांच हजार रुपए के स्व. सिद्धार्थ भट्ट सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्था अध्यक्ष आचार्य भगवत दुबे, मुख्य अथिति कुलाधिपति भोपाल डॉ.संतोष चौबे और सम्मान प्रदाता श्रीमती मीना पुरुषोत्तम भट्ट ने वैजयंती माला पहनाकर, साल ओढ़ाकर, सम्मान पत्र और राशि प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर देश के विभिन्न अंचलों से आए 118 साहित्यकारों और पत्रकारों को सम्मानित किया गया। संस्था के महासचिव राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉ. सिंघल को यह सम्मान इतिहास, पुरातत्व,कला, संस्कृति, पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में समग्र लेखन के लिए प्रदान किया गए। उन्होंने अब तक 51 पुस्तकों का लेखन और संपादन किया है। अपनी 46 वर्ष की पत्रकार यात्रा के दौरान 10 हजार से अधिक आलेख, फीचर, रिपोर्ताज, स्तंभ और संपादकीय, यात्रा संस्मरण, बाल साहित्य, साक्षात्कार आदि विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्र - पत्रिकाओं में लिखा हैं। संस्था की स्मारिका के लोकार्पण में भी इन्हें शामिल किया गया।

युवक के हाथ से मोबाइल छीना

जयपुर । प्रतापनगर थाना इलाके में बाइक सवार दो बदमाश एक युवक के हाथ पर झपट्टा मार कर मोबाइल छीनकर ले गए। पुलिस के अनुसार प्रताप नगर सेक्टर 26 निवासी राकेश ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार जा रहा था। इसी दौरान बिजली पावर हाउस के पास 26 सेक्टर में बाइक सवार दो बदमाश पीछे से आए और उसके हाथ पर झपट्टा मार कर मोबाइल छीनकर ले गए। इस पर पीड़ित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन

जयपुर। ज्वाइंट कमेटी तहप़फ़ुज़े औक़ाफ़, राजस्थान के संयोजक मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने बताया कि कुछ समय पूर्व भारत सरकार द्वारा वक़्फ़ संशोधन बिल 2024 पार्लियामेन्ट में प्रस्तुत किया गया जो कि वर्तमान में ज्वाइन्ट पार्लियामेन्ट्री कमेटी (जेपीसी) में विचाराधीन है। इस बिल का पूरे देश में विरोध हो रहा है। यह बिल औक़ाफ़ की स्वायत्ता को समाप्त करने और वक़्फ़ जायदादों के संचालन व प्रबन्धन की आज़ादी को समाप्त करने तथा मुसलमानों को वक़्फ़ जायदादों से बेदख़ल करने की सज़िश है तथा संविधान की धारा 25 व 26 में दी गई धार्मिक स्वतन्त्रता की गारन्टी के ख़िलाफ़ है। ज्वाइंट कमेटी तहप़फ़ुज़े औक़ाफ़, राजस्थान की ओर से इस बिल के विरोध और वक़्फ़ से सम्बंधित जन जागृति लाने के उद्देश्य से आज तहप़फ़ुज़े औक़ाफ कॉन्फ्रेन्स का आयोजन मोती डूंगरी रोड पर किया गया। इस कॉन्फ्रेन्स को विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, उलैमा व नेताओं ने सम्बोधित किया।

कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए मलिक मुअतसिम ख़ान (उपाध्यक्ष, जमाअते इस्लामी हिन्द) ने कहा कि आज जयपुर की जनता इतनी बड़ी संख्या में यहां इसलिए आई है कि यह वक्फ बिल लागू ना हो। सरकार को चाहिए कि वो इस बिल को संसद में पेश करने से अपने कदम पीछे हटाए। आज़ादी के पहले से अब तक पिछले सौ सालों में वक्फ बिल में जो भी सुधार हुए हैं यह बिल उन सब सुधारों पर पानी फेरने वाला बिल है। इसलिए इस बिल का विरोध है। वक्फ एक्ट 1995 के सेक्शन 40 में राज्यों के वक्फ बोर्ड के के कामकाज में बारे में बताया गया है लेकिन इस नए बिल में उसको हटा दिया गया है जो कि उसकी रूह था।

जयपुर में हुई तहप़फ़ुज़े औक़ाफ कॉन्फ्रेन्स में रविवार को विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, उलैमा व सांसदों ने सम्बोधित किया।

कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए मौलाना सैयद तहज़िबुल हसन रिज़वी (इमाम, शिया जामा मस्जिद, रांची, झारखंड) ने कहा कि वक्फ की प्रॉपर्टी ईश्वर प्रॉपर्टी कहलाती है। हमारे पीएम का नारा सबका साथ सबका विकास है उसके खिलाफ वक्फ एक्ट के साथ छेड़छाड़ कर भेदभाव की राजनीति पैदा करना, यह देश के लिए नुकसानदेह है। हम चाहते हैं कि वक्फ ट्रिब्यून को जो दर्जा प्राप्त है वो बाकी रहना चाहिए। यह देश सद्भावना का देश है। सद्भावना से ही हमारे देश का भला हो सकता है।

कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉक्टर क़ासिम रसूल इलियास (स्पोक्स पर्सन, ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड) ने कहा कि मौजूदा हुकूमत मुसलमानों पर लगातार हमले कर रही है। बुल्डोजर, मोबलिंचिंग आदि घटनाएं लगातार हो रही हैं। इसके साथ ही यूसीसी की शुरुआत उत्तराखंड से हो गई है जिसको अब पूरे देश में लागू करने की तैयारी है। मदरसों को भी लगातार टारगेट किया जा रहा है। हमारे लिए वक्फ बिल जिंदगी और मौत का मसला है अगर सरकार ने इस बिल को वापस नहीं लिया तो हम सड़के, विधानसभा, लोकसभा जाम कर देंगे, विरोध के सभी संवैधानिक रास्ते अपनाएंगे लेकिन इस बिल को लागू नहीं होने देंगे।

खोया पाया

श्री दिनेश कुमार गोयल पुत्र श्री मदन लाल गोयल भूखण्ड संख्या-ए-340, "सैग्विंन आफिसर्स केम्पस" का मूल लीजडीड (पट्टा विलेख) साइट प्लान, स्टाम्प खो गये। मिलने पर सूचित करें। मो. 9783393027

प्ररूप-10 नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर परिषद झुंझुनू

लोक सूचना

क्रमांक-9150 दिनांक-08.11.2024

श्री रामेश्वरलाल वर्मा/कजोड़मल, अमित वर्मा, आदित्य वर्मा/रामेश्वरलाल वर्मा निवासी विज्ञान नगर गुढा रोड झुंझुंनू ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है-अर्थात

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
झुंझुंनू	झुंझुंनू	2467	कुल रकबा 6.27 है. में से 15014.00 व.मी.

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08.11.2024 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगर परिषद झुंझुंनू